INDIA'S AIRTEL CLIMBS TO NO. 2 IN GLOBAL TELECOM RANKINGS

Subscriber growth and data-led expansion propel Airtel's global ranking, highlighting India's growing influence in telecom markets.

Bharti Airtel's emergence as the world's second-largest telecom operator by subscriber base marks a significant milestone for both the company and India's telecom sector, reflecting sustained growth driven by data consumption and market consolidation.

Crossing the 650 million subscriber mark, Airtel's rise in global rankings underscores the scale of India's telecom market, where intense competition and rapid digital adoption have accelerated subscriber acquisition. The company's performance is closely tied to its strong presence across India and its expanding footprint in African markets, where it continues to see steady growth in mobile and data services.

Airtel's strategy has been anchored in enhancing average revenue per user through a combination of premium offerings, network investments, and digital services. The expansion of 4G networks and the ongoing rollout of 5G services in India have further strengthened its market position, enabling higher data consumption and improved customer retention.

Globally, telecom rankings remain heavily influenced by large Asian operators, particularly from China and India, given their vast population bases. Airtel's ascent highlights the increasing competitiveness of Indian operators on the global stage, especially in the context of a consolidating domestic market where fewer players are driving higher efficiencies.

The company's Africa business continues to contribute meaningfully, with diversified revenue streams and growing demand for mobile broadband services. This geographic spread has provided Airtel with resilience and scale advantages compared to operators focused on single markets.

From an industry standpoint, Airtel's growth trajectory reflects broader trends shaping telecom, including data monetisation, digital ecosystem expansion, and infrastructure investments. As 5G adoption accelerates and enterprise services gain traction, the company is well positioned to leverage its scale to drive future growth.

The milestone reinforces India's role as a key driver of global telecom growth, with operators like Airtel setting benchmarks in scale, innovation, and market reach.■

भारत की एयरटेल ग्लोबल टेलीकॉम रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंची

उपभोक्ता विकास और डेटा आधारित विस्तार ने एयरटेल की ग्लोबल रैंकिंग को ऊपर उठाया है, जे टेलीकॉम बाजार में भारत के बढ़ते प्रभाव को दिखाता है।

सब्सक्राइबर बेस के मामले में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम ऑपरेटर के तौर पर भारती एयरटेल का उभरना, कंपनी और भारत के टेलीकॉम क्षेत्र दोनों के लिए एक अहम मील का पत्थर है। यह डेटा खपत और बाजार के एकीकरण से मिली लगातार विकास को दिखाता है।

640 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार करते हुए, एयरटेल की ग्लोबल रैंकिंग में बढ़त भारत के टेलीकॉम बाजार के बड़े पैमाने को दिखाती है। इस बाजार में कड़ी टक्कर और तेजी से बढ़ते इस्तेमाल ने नये सब्सक्राइबर जोड़ने की रफ्तार को बढ़ा दिया है। कंपनी का प्रदर्शन पूरे भारत में उसकी मजबूत मौजूदगी और अफ्रीकी बाजारों में उसके बढ़ते विस्तार से जुड़ा है, जहां उसे मोबाइल और डेटा सेवाओं में लगातार बढ़त देखो को मिल रही है।

एयरटेल की रणनीति प्रीमियम ऑफरिंग, नेटवर्क में निवेश और डिजिटल सेवाओं के मेल से होने वाली औसत कमाई (एआरपीयू) को बढ़ाने पर टिकी रही है। भारत में **4**जी नेटवर्क के विस्तार और **5**जी सेवाओं के लगातार रोलआउट ने इसकी बाजार स्थिति को और मजबूत किया है, जिससे डेटा की खपत बढ़ी है और ग्राहकों को बनाये रखने में भी सुधार हुआ है।

वैश्विक स्तर पर, टेलीकॉम रैंकिंग पर बड़े एशियाई ऑपरेटरों का, खासकर चीन और भारत के ऑपरेटरों का गहरा असर रहता है, क्योंकि इन देशों की आबादी बहुत ज्यादा है। एयरटेल की यह तरक्की वैश्विक मंच पर भारतीय ऑपरेटरों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दिखाती है, खासकर ऐसे घरेलू बाजार के संदर्भ में जहां कुछ ही खिलाड़ी मिलकर ज्यादा कुशलता से काम कर रहे हैं।

कंपनी की अफ्रीका स्थित कारोबार विविध राजस्व स्रोतों और मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखे हुए है। इस भौगोलिक विस्तार ने एयरटेल को उन ऑपरेटरों की तुलना में लचीलापन और व्यापक पहुंच का लाभ प्रदान किया है जो केवल एक बाजार पर केंद्रित है।

उद्योग की दृष्टि से, एयरटेल की विकास का सफर उन बड़े ट्रेंड्स को दिखाता है जो टेलीकॉम क्षेत्र को आकार दे रहे हैं–जैसे डेटा से कमाई, डिजिटल इकोसिस्टम का विस्तार और संरचना में निवेश। जैसे–जैसे **5**जी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और एंटरप्राइज सेवाओं की मांग बढ़ रही है, कंपनी अपनी बड़ी पहुंच का फायदा उठाकर भविष्य की विकास को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत स्थिति में है।

यह उपलब्धि वैश्विक टेलीकॉम विकास के लिए एक प्रमुख चालक के रूप में भारत की भूमिका को और मजबूत करती है, जिससे एयरटेल जैसे ऑपरेटर पैमाने, नवाचार और बाजार की पहुंच के मामले में नये मानक स्थापित कर रहा है। ■